महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लोगों को पेयजल की आपूर्ति

3234. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान महाराष्ट्र के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लोगों को पेय जल की आपूर्ति के लिए क्या समय निर्धारित किए गए थे तथा उन्हें किह सीमा तक प्राप्त किया गया ;

(ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पेय जल की समस्या को निपटाने के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ; और

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान राज्य के जिन गांवों में पेय जल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है उनका ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्य मंत्री (श्री उत्तममाई पटेल) (क) महाराष्ट्र में जनसंख्या की कवरेज के लिए 1985–86 और 1986–87 के लिए कोई अलग लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए थे । शेष 3 वर्षों अर्थात् 1987–88 से 1989–90 के लिए 11.98 लाख अनुसूचित जाति और 10.12 लाख अनुसूचित जनजाति की ग्रामीण जनसंख्या को लाभ विवत करने का लक्ष्य था । सातवीं पंचवर्षीय योजनावधि के लिए वास्तविक उपलब्धि 19.48 लाख अनुसूचित जाति और 17.63 लाख अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या थी ।

(ख) लक्ष्य वर्ष दर-वर्ष के आधार पर तय किए जाते हैं । 1992–93 और 1993–94 में महाराष्ट्र में ग्रामीण जनसंख्या को कवरेज के लक्ष्य निम्न प्रकार हैं :—

लक्ष्य (लाख में)

वर्ष	योग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
1992–93 . . .	18.53	1.50	2.50
1993–94 . . .	17.00	4.00	2.00

(ग) 1992–93 में 814 गांवों में स्वच्छ पेयजल सुविधायें मुहैया कराई गई थी । 1993-94 में 1000 गांवों के लक्ष्य की तुलना में जनवरी, 1994 तक 975 गांवों को कवर किया गया था । आठवीं पंचवर्षीय योजना के शेष वर्षों में गांवों की कवरेज के लक्ष्य वर्ष-दर-वर्ष के आधार पर तय किए जायेंगे ।

महाराष्ट्र में ग्रामीण विकास की योजनायें/परियोजनायें

3235. **श्रीमती चन्द्रिका अभिनन्दन जैन** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) महाराष्ट्र को कितनी ग्रामीण विकास योजनाये/परियोजनायें सरकार के पास मंजूरी हेतु लंबित पडी हैं ;

(ख) उनका ब्यौरा क्या है; और